



कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

हाल ही में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (KU) के कुलपति ने KU में मशिन LiFE अभियान के तहत मैराथन, जागरूकता सह प्रदर्शनी और वसितार व्याख्यान का उद्घाटन किया।

मुख्य बटु:

- इस अवसर पर कुलपति ने इको क्लब की गतविधियों का भी वधिवित उद्घाटन किया और सभी को मशिन LiFE की शपथ दलाई।
- मशिन LiFE भारत को आत्मनिर्भर और प्रकृति के करीब बनाने हेतु एक जन आंदोलन साबति हो रहा है।
 - वर्ष 2021 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से विश्व को पर्यावरण जीवनशैली का मंत्र दिया।
- कार्यक्रम का आयोजन पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पर्यावरण संबंधी जानकारी, जागरूकता, क्षमता निर्माण तथा आजीविका कार्यक्रम (EIACP) के सहयोग से [वरल्ड वाइड फंड फॉर नेचर](#) भारत एवं KU के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था।
- आगे छात्र [अर्थ ऑवर](#) कार्यक्रम में भी हसिसा लेंगे और विश्व अभियान का हसिसा बनेंगे।
 - अर्थ ऑवर WWF की वार्षिक पहल है जो वर्ष 2007 में शुरू हुई थी।
 - यह 180 से अधिक देशों के लोगों को अपने स्थानीय समय के अनुसार रात 8.30 बजे से 9.30 बजे तक लाइट बंद करने के लिये प्रोत्साहित करता है।

वरल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (WWF)

- यह विश्व का अग्रणी संरक्षण संगठन है और 100 से अधिक देशों में कार्य करता है।
- यह वर्ष 1961 में स्थापति किया गया था और इसका मुख्यालय ग्लैड, स्विट्ज़रलैंड में है।
- इसका मशिन प्रकृति के संरक्षण और पृथ्वी पर जीवन की वधिविता के लिये सबसे अधिक दबाव वाले खतरों को कम करना।

पर्यावरण संबंधी जानकारी, जागरूकता, क्षमता निर्माण और आजीविका कार्यक्रम (EIACP)

- EIACP प्रोग्राम सेंटर रसोर्स पार्टनर "वन्यजीव और संरक्षति क्षेत्र", भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून जसै पहले ENVIS के नाम से जाना जाता था, सतिंबर 1997 में भारत में 23वें पर्यावरण सूचना प्रणाली (ENVIS) केंद्र के रूप में स्थापति किया गया था।
- कार्यक्रम केंद्र अपने नरिदृष्टि वषिय क्षेत्र पर सभी सूचनाओं, प्रकाशनों और अन्य मूल्य वर्धति उत्पादों का भंडार है; डेटाबेस बनाए रखना; पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के नरिदेशानुसार जन जागरूकता अभियान तथा कार्यक्रमों सहति पूरे वर्ष वभिन्नि कार्यक्रमों एवं गतविधियों का संचालन करना।



मिशन LiFE: लाइफस्टाइल फॉर द एनवायरनमेंट (P3 मॉडल यानी Pro Planet People को प्रोत्साहन)

परिचय

- ◆ इस विचार/अवधारणा को भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2021 में ग्लासगो में 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP26) के दौरान प्रस्तुत पेश किया गया था।
- * **LiFE वैश्विक आंदोलन** विश्व भर के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और स्टार्ट-अप्स को उन तरीकों पर विचार करने हेतु आमंत्रित करता है जिनसे पर्यावरण संकट का समाधान करने के लिये सामूहिक कार्रवाई की पूरी क्षमता का उपयोग किया जा सकता है।
- ◆ **मिशन LiFE (पर्यावरण के लिये जीवन शैली)** की शुरुआत गुजरात के केवड़िया (जहाँ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है) से की गई है।
- ◆ **वर्ष 2022-28 की अवधि** में पर्यावरण संरक्षण के लिये व्यक्तिगत और सामूहिक कार्रवाई हेतु कम-से-कम एक बिलियन भारतीयों तथा अन्य वैश्विक नागरिकों को जुटाना।
- * भारत में ही सभी गाँवों और शहरी स्थानीय निकायों में से कम-से-कम 80% लोगों को वर्ष 2028 तक एनवायरनमेंट फ्रेंडली बनाने का लक्ष्य रखा गया है।
- ◆ **नीति आयोग द्वारा संचालित तथा केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित।** UNEP के अनुसार, यदि विश्व भर में 8 बिलियन में से 1 बिलियन व्यक्ति भी अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार को अपना लें तो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 20% है तक की कमी हो सकती है।



दृष्टिकोण



व्यक्तिगत व्यवहार पर केंद्रित



विश्व स्तर पर सह-निर्माण



स्थानीय संस्कृतियों का लाभ उठाना

भारत द्वारा स्थापित उदाहरण

- ◆ **स्वच्छ भारत मिशन (SBM)** के क्रियान्वयन से 7 वर्षों की अवधि के भीतर ग्रामीण भारत में 100 मिलियन से अधिक शौचालयों का उपयोग किया गया।
- ◆ **उज्ज्वला योजना** के चलते वर्ष 2021 में LPG कनेक्शन वाले परिवारों की संख्या 99.8% तक पहुँच गई जो कि वर्ष 2015 में 62% थी।
- ◆ विद्युत की खपत को कम करने वाले अनुकूली वास्तुशिल्प रूप जैसी पारंपरिक भारतीय प्रथाएँ और पादप आधारित खाद्य पदार्थ तथा कदन्न/मोटे अनाज (Millets) के लिये आहार वरीयता LiFE के लिये आधार के रूप में काम कर सकती हैं।

